खबर संक्षेप

कृषि उपज मंडी और गौशाला नहीं होने से परेशानी

सिलौंडी। सिलौंडी जो कि 84 गांव का मुख्य व्यापारिक स्थान है। सिलौंडी में किसानों और व्यापारियों की मांग पर तत्कालीन कलेक्टर अवि प्रसाद ने कृषि उपज मंडी और गौशाला निर्माण की स्वीकृत प्रदान करते हुए नेगाई में शासकीय भूमि में चिन्हित कराया था परंतु भूमि चिन्हित होने के बाद भी अभी तक निर्माण कार्य शुरू नही हुआ है जिसके कारण आवारा पशु के कारण किसानों की फसल चौपट हो रही है। कृषि उपज मंडी नही बनाने के कारण किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नही मिल रहा है 25 से 30 किलोमीटर दूर मंडी ले जाने से भाड़ा और अन्य खर्च नही कर पाने के कारण वह मजबूरी में कम दाम में फसल बेच रहा है। व्यापारियों को भी अपने उत्पाद बेचने के लिए लंबी दूरी जाना पड़ रहा है।
जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन की बेपरवाही से विकास के कार्यों में पीछे हो रहा है । सिलौंडी में मूल भूत सुविधा ना होने के कारण लोग अन्य स्थान से खरीदी कर रहे है जिसके सिलौंडी व्यापारिक गतिविधियों में पीछे जा रहा है ।

पेंशन एवं सेवा संबंधी समस्या निवारण शिविर आज

कटनी। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा निगम में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों की पेंशन एवं सेवा संबंधी समस्याओं के पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण हेतु समस्या निवारण शिविर आयोजित करने के दिए गए निर्देशों के परिपालन में गुरुवार 10 जुलाई को प्रातः 11 बजे से निगम कार्यालय के कक्ष क्रमांक- 44 में पेंशन एवं सेवा संबंधी समस्या निवारण शिविर आयोजित किया जायेगा । शिविर के दौरान निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार की मौजूदगी में अधिकारी-कर्मचारियों की पेंशन, परिवार कल्याण निधि, ई.पी.एफ., ई.एस.आई.सी., जी.पी.एफ., एन.पी.एस., यू.ए.एन. तथा विधिक मामलों सहित सेवा संबंधी विभिन्न समस्याओं पर सुनवाई की जाकर आवश्यकता अनुसार संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर प्रकरणों पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी, जिससे पात्र कर्मचारियों को समय पर राहत मिल सके। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता, संवेदनशीलता एवं उत्तरदायित्व के साथ निराकरण किया जाए तथा किसी भी पात्र कर्मचारी या पेंशनर के प्रकरण में अनावश्यक विलंब न होने दिया जाए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों एवं पेंशनरों की समस्याओं का त्वरित समाधान निगम प्रशासन की प्राथमिकता है।

मुक्तिधाम में अतिक्रमण का आरोप, कार्रवाई की मांग

उमरियापान। ढीमरखेड़ा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत देवरी पाठक के तिघरा गांव में बने मुक्तिधाम और उससे लगी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने पंचायत और राजस्व अधिकारियों से शिकायत कर अतिक्रमण हटाने तथा संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के महेन्द्र सिंह ने मुक्तिधाम परिसर और उसके आसपास की भूमि पर कब्जा कर लिया है। मुक्तिधाम में बने शेड का उपयोग पालतू मवेशियों को बांधने के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा मुक्तिधाम से लगी भूमि की जुताई भी करा दी गई है, जिससे सार्वजनिक उपयोग की इस जगह की उपयोगिता प्रभावित हो रही है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मुक्तिधाम गांव की सार्वजनिक संपत्ति है, लेकिन अतिक्रमण के कारण अंतिम संस्कार जैसे कार्यों में भविष्य में परेशानी खड़ी हो सकती है। ग्रामीणों ने जांच कर अतिक्रमण हटाने की मांग की है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत करने पर कब्जे के आरोपी द्वारा गाली-गलौज कर डराया-धमकाया जा रहा है। पंचायत के जिम्मेदारों का कहना है कि कब्जा करने वाले व्यक्ति से बातचीत कर मुक्तिधाम शेड से मवेशियों को अलग करने कब्जा हटाने कहा गया है।

राहगीरों को आवागमन करना बना परेशानी का सबब, दिखावा बनी गौशाला

मुख्य मार्गों में मवेशियों की जमघट से दुर्घटनाओं एवं मौतों की बढ़ रही तादाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

पशुओं के विचरण से आवागमन बाधित होने के साथ राहगीरों को आने-जाने में जानवरों का भय बना रहता है। सुबह से लेकर रात तक आवारा पशु सड़कों पर डटे रहते हैं। इन्हें सड़क से भगाने की कोशिश में ही दुर्घटनाएं घट जाती हैं। हालात ये हैं कि आये दिन हाइवे में पशुओं की दुर्घटनाओं में मौत हो रही है। ये घटनाएं अधिकतर रात के समय हो रही हैं।

वर्षाकाल में सड़कों में झुण्ड बनाकर बैठते हैं मवेशी

स्लीमनाबाद से बहोरीबंद, रीठी, उमरिया पान व कुआँ मार्ग में पशुओं की धमाचौकड़ी मार्गो में देखने को मिल रही है। वर्षा काल के सीजन में पशु रात्रि के समय सड़को पर आकर बैठ जाते है जिससे राहगीरों को आवागमन करने मे परेशानियों को सामना करना पड़ रहा है। साथ ही राहगीर भी सड़क हादसे में घायल हो रहे है।

पशु पालक बरत रहे बेपरवाही

सड़कों में आवारा मवेशियों की धमाचौकड़ी से निजात दिलाने स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नही उठाये जा रहे है न ही पशु पालक ध्यान दे रहे है क्योंकि पशु पालकों ने मवेशियों को आवारा छोड़ रखा है।
वही ग्राम पंचायतों के द्वारा भी अपने अपने क्षेत्रों मे मार्गो से मवेशियों को हटाने को लेकर कोई ठोस कदम नही उठाये जा रहे है। गौरतलब है बहोरीबंद विकासखण्ड में 5 गौ शाला ही बनी हुई है।जिनमे प्रत्येक गौशाला में 100 नग पशु रखने की ही क्षमता है लेकिन महज शोपीस बनी हुई हैं।

फसलों को पहुंचा रहे नुकसान

आवारा मवेशियों के कारण किसान भी परेशान हैं। इन दिनों मार्गो के किनारे लगे खेतों में आवारा मवेशी घुसकर किसानों द्वारा बोई गई खरीफ की फसल को चर जाते है। जिससे संबंधित किसानों को नुकसान पहुंचा रहा है। इस समस्या के निवारण के लिए किसानों ने कई बार स्थानीय प्रशासन के आलाधिकारियों से शिकायत की है। लेकिन कोई भी आवारा मवेशियों को पकडने के लिए कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

इनका कहना है

इस संबंध में एसडीएम प्रदीप मिश्रा यह सही है कि इन दिनों सड़कों पर बहुतायत संख्या मे मवेशी देखने को मिल रहे है जिससे आवागमन में समस्या उतपन्न हो रही है। मार्गो से आवारा मवेशियों को हटाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे साथ ही पशु पालकों के विरुद भी कारवाई की जाएगी।

स्लीमनाबाद पहुंचकर एसपी ने टनल निर्माण का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

बरगी व्युत्पर्जन परियोजना के तहत स्लीमनाबाद में अंडर ग्राउंड टनल का निर्माण कार्य चल रहा हैं, जो लगभग 15 वर्षो के बाद अब पूर्णता की ओर हैं। 11.95 किलोमीटर लंबी सुरंग में अब सिर्फ 40 मीटर खुदाई शेष हैं। 15 जुलाई तक टनल निर्माण कार्य पूरा होने की उम्मीद हैं। इसके बाद नर्मदा जल से 5 जिलों की 1.85 लाख हैक्टेयर भूमि सिंचित होगी। टनल निर्माण कार्य जैसे जैसे पूर्णता की ओर आ रही हैं वैसे ही जनप्रतिनिधियों व अधिकारियो के द्वारा टनल निर्माण स्थल का दौरा किया जा रहा हैं। दो दिवस पूर्व जहाँ सतना सांसद गणेश सिंह ने निरीक्षण किया था तों गुरुवार को कटनी एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने टनल निर्माण स्थल का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने टनल निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से कार्य की वर्तमान स्थिति, सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा निर्माण कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इसके बाद एसपी ने स्लीमनाबाद थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना अभिलेखों, लंबित अपराधों, लंबित मर्ग प्रकरणों तथा अन्य विवेचनाधीन प्रकरणों की समीक्षा की गई। उन्होंने थाना प्रभारी एवं विवेचकों को निर्देशित किया कि लंबित अपराध एवं मर्ग प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा विवेचना कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। इस दौरान एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चर्तुवेदी एवं थाना प्रभारी सुदेश सुमन मौजूद थे।

महिला कांग्रेस ने सीएसपी को सौंपा ज्ञापन , दोषियों पर हो सख्त कार्यवाही

राम मंदिर के चढ़ावे एवं दान की राशि में अनियमितताओं की जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

महिला कांग्रेस की महिलाओं का प्रतिनिधि मंडल ने नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया से मिलकर अयोध्या स्थित प्रभु श्री राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित चढ़ावे, दान राशि से संबंधित अनियमितताओं एवं बड़े पैमाने में हुई चोरी के प्रकरण की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की मांग को लेकर प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, CBI निदेशक, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश एवं मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशकों के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया।
ज्ञापन में कहा गया है कि इस प्रकरण से देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था एवं जनविश्वास प्रभावित हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच किसी स्वतंत्र केंद्रीय एजेंसी, विशेष रूप से CBI, से कराई जाना आवश्यक है, ताकि सभी तथ्यों का निष्पक्ष परीक्षण हो सके और यदि जांच में कोई भी व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जा सके।
महिला कांग्रेस ने अपने ज्ञापन में यह भी मांग की है कि मंदिर के दान-पात्र, लेखा-जोखा, सीसीटीवी फुटेज तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों को सुरक्षित रखते हुए वैज्ञानिक एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जाए।
प्रदेश महासचिव सौम्या राँधेलिया ने कहा कि महिला कांग्रेस का उद्देश्य किसी निर्दोष व्यक्ति पर आरोप लगाना नहीं है, बल्कि निष्पक्ष जांच के माध्यम से सत्य को सामने लाना और दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित कराना है।देश भर में महिला कांग्रेस ने केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार से इस मामले में शीघ्र निर्णय लेते हुए CBI जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है, जिससे देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था एवं विश्वास की रक्षा हो सके।
ज्ञापन के दौरान मुख्य रूप से महिला कांग्रेस से मीनाक्षी वल्लवी, हेमा शर्मा, माया चौधरी, नीरा सोनी, मनीषा सिंह, सौम्या परमार आदि शामिल रही।

ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) के अंतर्गत आवास प्लस 2024 सर्वे के तहत प्रारूप स्थायी प्रतीक्षा सूची (Draft PWL) के अंतिमकरण एवं ग्राम सभा सत्यापन की प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए जिले के सभी ग्रामों में 9 एवं 10 जुलाई को दो दिवसीय ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देशानुसार आयोजित इन ग्राम सभाओं में एजेंडा के बिंदु क्रमांक 03 से 06 तक की कार्यवाही अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाएगी। ग्राम सभाओं का संचालन पूर्व से नियुक्त स्थायी नोडल अधिकारियों के माध्यम से किया जाएगा तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी प्रक्रिया संपादित की जाएगी। कलेक्टर श्री तिवारी ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्राम सभाओं का आयोजन सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक सुनिश्चित किया जाए। आवश्यकता पड़ने पर विशेष परिस्थितियों में नोडल अधिकारियों में संशोधन करते हुए कार्यवाही पूर्ण कराई जाएगी।

आटो में छूटा लैपटॉप, सीसीटीवी की मदद से किया बरामद, यात्री को वापस लौटाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

आटो में गंतव्य तक पहुंचने के लिये यात्रा के दौरान एक व्यक्ति का लैपटॉप वाहन में ही छूट गया जिसे पुलिस की तत्परता से बरामद कर वापस लौटाया गया। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के मार्गदर्शन में संचालित सीसीटीवी मॉनिटरिंग के तहत यह सफलता मिली।
फरियादी घनेन्द्र कुमार त्रिपाठी और उनकी पुत्री शालिनी तिवारी ने पुलिस को बताया कि वे दुर्गा चौक से थाना तिराहा जाने के लिए ऑटो में सवार हुए थे, जहां यात्रा के दौरान उनका लैपटॉप ऑटो में ही छूट गया।सूचना मिलते ही सीसीटीवी टीम ने बताए गए मार्ग के कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच में खिरहनी ब्रिज और थाना तिराहा के कैमरों में संबंधित ऑटो दिखाई दिया, जिसके आधार पर वाहन का पंजीयन क्रमांक एमपी-21 जेडबी-7850 चिन्हित किया गया।आरटीओ रिकॉर्ड से चालक की जानकारी प्राप्त कर उससे संपर्क किया गया।
चालक ने बताया कि लैपटॉप उसके पास सुरक्षित रखा हुआ है। इसके बाद थाना एनकेजे पुलिस और सीसीटीवी टीम ने लैपटॉप प्राप्त कर फरियादी को विधिवत सुपुर्द कर दिया।लैपटॉप सुरक्षित वापस मिलने पर फरियादी और उनके परिजनों ने कटनी पुलिस की संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्रवाई की सराहना की।
इस कार्य में दीक्षा रेडियो की अनामिका सोनकर, मृदुल त्रिपाठी, देवराज सिंह, पुष्पेंद्र यादव तथा थाना एनकेजे पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सौतेले भाई की हत्या करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बरही थाना अंतर्गत कुटेश्वर क्षेत्र में दो वर्ष हुए हत्या के मामले में आरोपी को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है। मीडिया सेल प्रभारी सुरेन्द्र कुमार गर्ग ने बताया कि 30 जुलाई 2024 को फरियादी 42 वर्षीय संतोष यादव ने थाना बरही में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 29 जुलाई 2024 को मेरी पहली पत्नी का लडक़ा मनीष यादव काम करने बिना बताये बाहर चला गया है एवं दूसरी पत्नी का लडक़ा सुमित यादव भी उसी समय से घर में नहीं था। मैं मवेशी चराने गया था जब शाम लगभग 6 बजे घर आया तो परिवार के लोग बताये कि सुमित यादव कहीं चला गया है तब उसकी तलाश पतासाजी आस पड़ोस में व गांव एवं रिश्तेदारियों में फोन से पता किया। सुमित यादव के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। बडे लडक़े मनीष यादव को रात में कई बार फोन लगाये तो वह फोन नही उठाया। फिर जब सुबह मनीष से बात हुई तो बताया कि काम करने अहमदाबाद आ गया हूं, सुमित यादव मेरे पास नही हैं। मुझे शंका है कि मेरे लडके सुमित को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया है।
रिपोर्ट पर अपराध पंजीबध्द किया गया। मुखबिर की सूचना पर संदेही मनीष यादव 20 साल को 31 जुलाई 24 को दस्तयाब कर अभिरक्षा में लेकर पूछताछ शुरू की गई। पूछताछ में मनीष ने बताया कि मेरे पिता संतोष यादव जिनकी दो शादियां हुई हैं। सौतेली मां कमला को तीन लड़कियां व एक लडक़ा जिसका नाम सुमित उर्फ मोनू यादव 12 वर्ष का है। ये लोग पिता जी के साथ रहते हैं। पिताजी हम लोगो की कोई मदद नहीं करते है न हमे चाहते हैं। अक्सर मुझसे व मेरे परिवार से झगड़ा करते हैं। हम लोगो को हमेशा नीचा दिखाने का प्रयास करते है। इन सब बातो को लेकर मेरे मन में खुन्नस भरी थी।
मनीष ने बताया कि 29 जुलाई 2024 को दोपहर मैं पुराने घर आया जहां पर मुझे मोनू उर्फ सुमित मिला और गाली गलौज करने लगा, जिससे मुझे गुस्सा आ गया। मेरे मन में पहले से खुन्नस भरी थी तो मैने अपने गमछे से उसका गला दबाकर मार दिया जिसे मैं मोर्चा मोड में पगरा रोड (बंजरिया) पहाड़ी की झाड़ी में फेक आया। पूछताछ करने के बाद मनीष के निशानदेही पर मोर्चा मोड़ पगरा रोड बंजरिया पहाड़ी की झाड़ी में तलाश दौरान अपहृत बालक सुमीत यादव का शव बरामद किया गया। पीएम के बाद मनीष के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर मामला सुनवाई के लिए न्यायालय में पेश किया गया।
प्रकरण में विचारण के दौरान विशेष लोक अभियोजक द्वारा न्यायालय के समक्ष समस्त सारवान साक्षी, दस्तावेज एवं वैज्ञानिक साक्ष्य प्रस्तुत कर आरोपी के विरुद्ध आरोप प्रमाणित कराया गया। विशेष लोक अभियोजक के लिखित तर्कों से सहमत होते हुये न्यायालय द्वारा आरोपी मनीष यादव को हत्या करने के अपराध पर आजीवन कारावास एवं अर्थदंड से दंडित किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चलाया जागरूकता अभियान

साइबर ठगी से बचने के लिए बरतें सावधानी, रहे जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्लीमनाबाद में साइबर सुरक्षा को लेकर सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना प्रभारी सुदेश सुमन ने डॉक्टरों, अस्पताल स्टॉफ एवं आमजनों को जागरूक करते हुए कहा कि आजकल लालच व अज्ञानतावश लोग साइबर अपराध का शिकार हो रहे हैं। साइबर ठगी का शिकार लोगों की फेहरिस्त में बड़े उद्यमी-कारोबारी, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी से लेकर सरकारी कर्मचारी, पुलिस महकमे के लोग और बैंक अधिकारी तक शामिल हैं, जो शिक्षित हैं और बड़ी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहे हैं या कर रहे हैं। लेकिन सावधानी नहीं बरतने पर वे साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं। यानी साइबर ठग किसी को नहीं छोड़ रहे हैं, वे समाज के हर वर्ग को चंगुल में ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि साइबर ठगी करने वाले पहले फर्जी कॉल कर प्रलोभन देते हैं। जिसके जरिए वे बैंक डिटेल, आधार या अन्य महत्वपूर्ण जानकारी हासिल कर लेते हैं और फिर खाते रुपए पार कर लेते हैं। इसके अलावा थाना प्रभारी द्वारा अन्य साइबर अपराधों से बचने के प्रभावी उपाय बताए साथ ही किसी भी संदिग्ध कॉल, संदेश या ऑनलाइन लेनदेन के प्रति सतर्क रहने की अपील की अभियान के दौरान लोगों को साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है के बारे मे अवगत कराया गया एवं किसी के साथ साइबर ठगी होती है तो तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करने हेतु जागरूक किया गया ।साथ ही बताया कि फोन पर कभी भी किसी अनजान व्यक्ति को बिना सोचे समझे क्लिक न करें। यदि आपके साथ कोई साइबर क्राइम या कोई अनचाही स्थिती बने तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें। ऐसे में साइबर अपराध को रोकने के लिए विशेष सतर्कता के साथ आधुनिक तकनीक का ज्ञान होना आवश्यक है। सतर्क रहकर ही इस अपराध से बचा जा सकता है।क्योंकि सुविधाएं कई बार समस्या भी बन जाती है। ऐसे में जागरूकता ही बचाव है। आजकल सारे काम ऑनलाइन होने लगे हैं। इसलिए सावधानी की सख्त आवश्यकता है। कोई भी ऑनलाइन कार्य करें तो किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को ओटीपी नहीं देवें।

राशन दुकान के पास गंदगी का अंबार, फिसलन एवं बदबू से उपभोक्ता परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

लाल बहादुर शास्त्री वार्ड 3 की शासकीय उचित मूल्य की दुकान ग्रानी दुर्गावती महिला प्र.उप.भंडार के पास गंदगी का अंबार लगा है। खाद्यान्न लेने यहां सैकड़ों उपभोक्ता पहुंचते हैं। राशन दुकान के आसपास कचरा और बजबजाती गंदगी से न सिर्फ दुर्गंध से सांस लेना दूभर हो रहा है बल्कि फिसलन से हादसे की आशंका बनी रहती है। राशन दुकान के विक्रेता केशव कुशवाहा का कहना है कि हल्की बारिश में ही गंदा पानी दुकान के अंदर घुस जाता है जिससे न सिर्फ परेशानी होती है बल्कि यहां खाद्यान्न लेने पहुंचने वाले हितग्राहियों को भी हादसे का डर बना रहता है।
विक्रेता केशव कुशवाहा का कहना है कि इस समस्या के बारे में मेरे द्वारा कई बार वार्ड पार्षद को कई बताया गया लेकिन आज तक न तो साफ सफाई कराई गई और न ही पानी की निकासी की व्यवस्था दुरूस्त कराई गई। राशन दुकान के सामने गंदगी से न सिर्फ दुर्गंध बनी रहती है बल्कि कीचड़ की वजह से फिसलन बढ़ जाती है जिससे कई बार लोग फिसलकर गिर भी पड़ते हैं। विक्रेता ने बताया कि खाद्यान्न लेने पहुंचने वाले हितग्राहियों की भीड़ दिन भर बनी रहती है। वर्षाकाल के मौसम में बारिश के चलते दुकान के अंदर गंदा पानी घुस जाता है जिससे खाद्यान्न सामग्री के भी बर्बाद होने की संभावना बनी रहती है। जल निकासी एवं सफाई की व्यवस्था कराने की मांग की है।

खबर संक्षेप

प्रत्येक ग्राम में 9 और 10 जुलाई को होगी ग्राम सभाएं

कटनी। जिले की समस्त जनपद पंचायतों की ग्राम पंचायतों के ग्रामों में 9 एवं 10 जुलाई को ग्राम सभाएं आयोजित करने हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी ने आदेश जारी किए हैं। आयोजित ग्राम सभाओं में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास +2024 सर्वे अंतर्गत स्थायी प्रतीक्षा सूची के अंतिमकरण एवं सत्यापन कार्य के संबंध में विकास आयुक्त कार्यालय भोपाल द्वारा जारी संलग्न निर्देशों के मुताबिक बिंदु क्रमांक 3 से 6 तक की कार्यवाही की जाएगी। जारी आदेश के मुताबिक प्रत्येक ग्राम में पूर्व में नियुक्त स्थायी नोडल अधिकारियों के माध्यम से ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाना निर्धारित किया गया है। विशेष परिस्थितियों में संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अपने स्तर पर नोडल अधिकारी संशोधित कर ग्राम सभाएं संपादित कराएंगे। व्यापक प्रचार प्रसार एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने जिला पंचायत सीईओ ने दिए निर्देश ग्राम सभाओं के सफल एवं सुचारु संचालन तथा क्रियान्वयन के लिए जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने ग्राम सभाओं के व्यापक प्रचार प्रसार एवं आवश्यक तैयारियों और व्यवस्थाओं हेतु आवश्यक निर्देश समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए हैं।

11 जुलाई तक सत्यापन पूरा करने के निर्देश

कटनी। ग्रामीण क्षेत्रों में आवास से वंचित पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का लाभ सुनिश्चित करने के लिए "आवास प्लस 2024" सर्वे की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में जिले में प्रारूप स्थायी प्रतीक्षा सूची (पीडब्ल्यूएल) के अंतिमकरण एवं ग्राम सभा सत्यापन की कार्यवाही तेज कर दी गई है। पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के संचालक दिनेश जैन ने स्व-सर्वे पुष्टि, चेकर सत्यापन तथा अपात्र परिवारों को सूची से हटाने की प्रक्रिया 11 जुलाई 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। इस प्रक्रिया के पूर्ण होने के बाद ही सिस्टम द्वारा जनरेटेड प्राथमिकता सूची तैयार की जाएगी। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 3 एवं 4 जुलाई को पोस्ट डिलीशन मॉड्यूल के संबंध में मैदानी अमले को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। साथ ही 8 जुलाई तक डिलीशन मॉड्यूल पूर्ण करने हेतु ग्राम पंचायतों का चिन्हांकन कर जिला स्तर पर सारांश रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इसके अतिरिक्त 9 एवं 10 जुलाई को ग्राम सभाओं का आयोजन कर स्थायी प्रतीक्षा सूची (PWL) का पुनरीक्षण, हितग्राहियों के विवरण का अद्यतन तथा फोटो, जियो-टैग एवं समय-मुहर सहित बैठक की कार्यवाही अपलोड की जाएगी। प्रक्रिया के अंतिम चरण में ग्राम सभा कार्यवाही का ऑटो जनरेशन, हस्ताक्षर एवं मुहर सहित पुनः अपलोड, एआई आधारित सत्यापन, पीडब्ल्यूएल का स्वतः अंतिमकरण तथा जिला स्तर पर अपीलीय सत्यापन की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

शासकीय सेवक बनेंगें निक्षय मित्र

कटनी। जिले में टीबी उन्मूलन अभियान को गति देने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी की पहल पर सभी शासकीय सेवकों को "निक्षय मित्र" बनने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ. राज सिंह ठाकुर ने इस संबंध में समस्त विभाग प्रमुखों को टीबी मरीजों के लिए अधिक से अधिक फूड बास्केट हेतु राशि प्रदान करने का अनुरोध किया है। कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया था कि जिले के सभी विभागों के शासकीय सेवक निक्षय मित्र के रूप में सहभागिता सुनिश्चित करें। इसका उद्देश्य टीबी मरीजों को पोषण सहायता प्रदान कर उनके उपचार में सहयोग देना है। प्रत्येक निक्षय मित्र द्वारा एक टीबी मरीज के लिए दो माह का फूड बॉस्केट उपलब्ध कराने हेतु 1200 रुपये (600 रुपये प्रति माह) की राशि प्रदान की जाएगी। यह राशि स्वास्थ्य विभाग के खाते में जमा कराई जा सकती है या नगद रूप में भी दी जा सकती है, जिससे शीघ्र फूड बॉस्केट तैयार कर जरूरतमंद मरीजों तक पहुंचाया जा सके। इस अभियान से जुड़ें और जरूरतमंद टीबी मरीजों को पोषण सहायता प्रदान करने में योगदान दें।

'जल गंगा' संवर्धन अभियान से जिले के गांवों की मिट्टी की बुझी प्यास

चार हजार से अधिक जल संरचनाओं का निर्माण, पुनर्जीवन और संरक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कुछ महीने पहले तक जिले के गांव जल संकट से जूझ रहे थे—कुएं सूख चुके थे, तालाबों में दरारें पड़ गई थीं और भू-जल स्तर लगातार गिर रहा था, जिससे पीने का पानी जुटाना भी मुश्किल हो गया था। लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल और कलेक्टर आशीष तिवारी के नेतृत्व में प्रशासन और ग्रामीणों की संयुक्त भागीदारी ने हालात बदल दिए। यह बदलाव किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान 2026' की सुनियोजित और सफल पहल का नतीजा है।

अभियान के तहत जिले में 4,052 से अधिक जल संरचनाओं का निर्माण, पुनर्जीवन और संरक्षण किया गया, जिसमें 1,399 डगवेल रिचार्ज, 1,327 खेत तालाब, 239 सिंचाई परियोजनाएं और 310 विशेष जल संरचनाएं शामिल हैं। साथ ही 4 अमृत सरोवरों का निर्माण, 65 संरचनाओं की मरम्मत और 131 स्थानों पर पौधारोपण ने पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती दी।

इसका असर गांवों के जीवन में स्पष्ट दिख रहा है। जहां पहले तपती दोपहरों में ग्रामीण सूखे कुओं और धूल से भरे तालाबों के किनारे खड़े होकर मानसून का इंतजार करते थे, वहीं इस वर्ष तालाबों में पानी लबालब भरा नजर आया और लोगों के चेहरों पर राहत साफ झलकने लगी। जो कुएं कभी सूख चुके थे, वे फिर से पानी देने लगे हैं और खेतों के पास बने तालाब किसानों के लिए संजीवनी बन गए हैं। विशेष रूप से महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है, जिन्हें पहले पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, लेकिन अब घर के पास ही पानी उपलब्ध होने से उनका समय बच रहा है और वह परिवार व बच्चों की देखभाल में लग पा रहा है।

इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत जन-भागीदारी रही, जिसमें ग्रामीणों ने श्रमदान किया, बुजुर्गों ने पारंपरिक जल स्रोतों की जानकारी दी और युवाओं ने उन्हें पुनर्जीवित करने में अहम भूमिका निभाई। अभियान के समापन के बाद कटनी के गांवों में एक नया आत्मविश्वास दिखाई दे रहा है—यह केवल जल संरक्षण का प्रयास नहीं, बल्कि सोच में आए सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है, जिसने यह साबित कर दिया कि जब प्रशासन और समाज साथ मिलकर काम करते हैं, तो सूखी धरती भी फिर से हरी-भरी हो सकती है।

विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए 15 जुलाई तक लगेगा "प्रवेश मेला"

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय, अशासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में रिक्त सीटों पर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रवेश उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 8 से 15 जुलाई 2026 तक "प्रवेश मेला" आयोजित किया जा रहा है। अतिरिक्त सीएलसी राउंड के दौरान प्रवेश प्रक्रिया को गति देने एवं पात्र विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

प्रवेश मेले के दौरान महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर पंजीयन, चॉइस फिलिंग एवं संशोधन, दस्तावेज सत्यापन, सीट आवंटन संबंधी मार्गदर्शन तथा शुल्क भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे पात्र विद्यार्थी उसी दिन अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। महाविद्यालयों में प्रवेश मेला प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होगा।

प्रवेश दिलाने करेंगे प्रेरित

महाविद्यालयों द्वारा पोर्टल पर उपलब्ध लंबित पंजीयन, सत्यापन, प्रवेश प्रस्ताव प्राप्त करने के बाद भी शुल्क जमा नहीं करने वाले विद्यार्थियों की सूची का परीक्षण कर उनसे व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया जाएगा। विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा, जिन पाठ्यक्रमों एवं संकायों में रिक्त सीटों की संख्या अधिक है, वहां विशेष प्रयास किए जाएंगे। विद्यार्थियों को उपलब्ध पाठ्यक्रमों, विषय चयन एवं चॉइस संशोधन के संबंध में आवश्यक परामर्श प्रदान किया जाएगा। साथ ही स्थानीय विद्यालयों, जनप्रतिनिधियों, पालकों एवं पूर्व विद्यार्थियों के सहयोग से प्रवेश जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।

विशेष निगरानी करेंगे

प्रत्येक महाविद्यालय में प्राचार्य की निगरानी में प्रतिदिन प्रवेश की समीक्षा की जाएगी तथा विभागवार एवं संकायवार लक्ष्य निर्धारित कर कार्यवाही की जाएगी। जिला नोडल अधिकारी अधिक रिक्त सीट वाले महाविद्यालयों की विशेष निगरानी करेंगे और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएंगे। समस्त महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि प्रवेश मेला केवल औपचारिक आयोजन न होकर "अधिकतम प्रवेश, उसी दिन प्रवेश" की कार्यपद्धति पर संचालित किया जाए, जिससे अतिरिक्त सीएलसी राउंड में अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश का लाभ मिल सके।

तीन नये ट्रांसफार्मर के साथ ही 74 विद्युत पोल होंगे स्थापित

लाल बहादुर शास्त्री वार्ड में एक करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

लाल बहादुर शास्त्री वार्ड क्रमांक 3 में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन समारोह महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती सरला संतोष मिश्रा MIC प्रभारी सदस्य डॉक्टर रमेश सोनी सुभाष साहू सुरेन्द्र गुप्ता की मौजूदगी में आयोजित किया गया। भूमिपूजन वार्ड की वरिष्ठ महिला श्रीमती शकुन बर्मन के कर कमलों से विधिवत संपन्न कराया वार्ड वासियों को विकास कार्यों की नई सौगात दी गई।

इस अवसर पर नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से वार्ड में लगभग 1 करोड़ 13 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। इनमें 32.57 लाख रुपये की लागत से शासकीय स्कूल पहरुआ एवं सुभाष तिवारी के मकान से शंकर दुबे के मकान तक आरसीसी नाली निर्माण, 14.68 लाख रुपये की लागत से नंदन कानन गार्डन के बाजू से आरसीसी सड़क निर्माण, 5 लाख 87 हजार रुपये की लागत से गहोई कॉलोनी में नीरज रजक के घर से सीसी नाली निर्माण कार्य तथा लगभग 60 लाख रुपये की लागत से 3 नवीन ट्रांसफार्मर एवं 74 विद्युत पोल स्थापित किए जाने का कार्य शामिल है। यह विद्युत कार्य पन्नी कॉलोनी, कुठला, पहरुआ क्षेत्र सहित वार्ड के विभिन्न स्थानों पर किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

वार्ड की विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए लगभग 60 लाख रुपये की लागत से 3 नवीन ट्रांसफार्मर एवं 74 विद्युत पोल स्थापित किए जाएंगे। यह कार्य पन्नी कॉलोनी, कुठला, पहरुआ क्षेत्र सहित वार्ड के विभिन्न स्थानों पर किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती सूरी ने कहा कि नगर निगम शहर के प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। सड़क, नाली एवं विद्युत जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए उन्होंने कहा की विद्युत पोल ट्रांसफार्मर लगने से अन्य क्षेत्रों को भी मिलेगा लाभ।

विधायक ने आईटीआई का किया निरीक्षण

क्षेत्रीय विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने शासकीय आईटीआई ढीमरखेड़ा (उमरियापान) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संस्था की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आईटीआई भवन के शीघ्र निर्माण हेतु हरसंभव सहयोग एवं आवश्यक प्रयास करने का आश्वासन दिया। साथ ही अन्य विकास कार्यों में भी पूर्ण सहयोग प्रदान करने की बात कही। निरीक्षण के दौरान विधायक ने प्रशिक्षण व्यवस्थाओं, संचालित व्यवसायों एवं संस्थान की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। प्राचार्य अनिल तिवारी ने उन्हें संस्था की गतिविधियों, प्रवेश प्रक्रिया तथा भविष्य की विकास योजनाओं से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रवेश सत्र 2026-27 के प्रथम चरण में विधायक ने संस्था में प्रथम प्रवेश लेने वाली प्रशिक्षार्थी आरती को औपचारिक रूप से प्रवेश दिलाया तथा उन्हें प्रवेश रसीद प्रदान कर शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने प्रशिक्षार्थी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को तकनीकी शिक्षा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। विधायक ने विकासखंड स्तर पर आईटीआई की प्रवेश प्रक्रिया के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया, ताकि स्थानीय छात्र-छात्राएँ अधिक संख्या में प्रवेश लेकर गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें और आगे चलकर रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर हासिल कर आत्मनिर्भर बनें।

कलेक्टर ने ई-टोकन द्वारा ही खाद का वितरण कराने के दिये निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

खरीफ सीजन 2026 को ध्यान में रखते हुए जिले में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गई है। किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार खाद उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा प्रभावी व्यवस्थाएं की गई हैं। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने उप संचालक कृषि को निर्देशित किया है कि जिले में उर्वरकों का वितरण केवल ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से ही किया जाए।

ई-विकास पोर्टल के अनुसार वर्तमान में जिले में विभिन्न प्रकार के उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। जिले में यूरिया 13,414 मीट्रिक टन, डीएपी 887 मीट्रिक टन, एनपीके 5,089 मीट्रिक टन, एसएसपी 10,890 मीट्रिक टन तथा म्यूरेट ऑफ पोटाश 255 मीट्रिक टन उपलब्ध है, जिससे खरीफ फसलों की आवश्यकता आसानी से पूरी की जा सकेगी।

ई-विकास प्रणाली के तहत किसानों को उनकी भूमि (खसरा नंबर) एवं बोई गई फसल के आधार पर सॉफ्टवेयर द्वारा उर्वरकों की मात्रा निर्धारित की जाएगी। यह व्यवस्था अनावश्यक भंडारण और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करेगी। किसान घर बैठे पोर्टल के माध्यम से विभिन्न केंद्रों पर उपलब्ध स्टॉक की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं।

किसान अपनी सुविधा अनुसार प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (PACS), डबल लॉक केंद्रों, निजी विक्रेताओं, एमपी ऑनलाइन कियोस्क तथा कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) के माध्यम से ई-टोकन प्राप्त कर सकते हैं।

उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई

शासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई सहकारी समिति या निजी विक्रेता बिना ई-टोकन के उर्वरक का विक्रय करता पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए संतुलित उर्वरकों का ही उपयोग करें। अनावश्यक खाद का प्रयोग न केवल उत्पादन लागत बढ़ाता है, बल्कि भूमि की उर्वरक क्षमता को भी प्रभावित करता है।

टीबी मुक्त भारत ऐप से बीमारी उन्मूलन को मिलेगा बल

ई संगिनी ऐप से टीबी रोग से संबंधित सटीक जानकारी आसानी से मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

भारत को टीबी मुक्त बनाने के राष्ट्रीय लक्ष्य को जन-जन तक पहुंचाने एवं टीबी उन्मूलन की दिशा में डिजिटल भागीदारी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित "टीबी मुक्त भारत (ई-संगिनी) ऐप" विकसित किया गया है। यह ऐप आम नागरिकों, मरीजों, स्वयंसेवकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को एक साझा डिजिटल मंच पर जोड़ते हुए टीबी से जुड़ी जानकारी, सहायता और सेवाओं को सरल एवं सुलभ बनाता है।

"टीबी मुक्त भारत" ऐप एक समग्र एवं इंटरएक्टिव डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से टीबी संबंधी जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ मरीजों की सहायता, निक्षय मित्रों से जुड़ाव तथा उपचार प्रक्रिया की निगरानी भी संभव है। यह ऐप राष्ट्रीय तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनभागीदारी आधारित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

ऐप में टीबी के लक्षण, बचाव, जांच एवं उपचार से संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध है। साथ ही मरीजों को निक्षय मित्रों एवं स्वयंसेवकों से जोड़ने, पोषण किट का डिजिटल रिकॉर्ड रखने, दवा सेवन की निगरानी करने तथा सेवाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित करने जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं।

जिले में इस अभियान को जनआंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से कलेक्टर आशीष तिवारी ने ऐप के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए इस डिजिटल प्लेटफॉर्म को हर नागरिक तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया है।

कलेक्टर श्री तिवारी ने कहा कि यह ऐप आमजन के लिए एक उपयोगी एवं प्रभावी माध्यम है, जिसके जरिए टीबी से संबंधित सटीक जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह मरीजों को निक्षय मित्रों और स्वयंसेवकों से जोड़कर उनकी देखभाल एवं उपचार को और अधिक सुदृढ़ बनाता है।

कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि जिले में अधिक से अधिक लोगों द्वारा ऐप डाउनलोड कराया जाए। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, एनएसएस/एनसीसी स्वयंसेवक, माय भारत वॉलंटियर्स, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, टीबी मरीज एवं टीबी चैम्पियनों को अभियान से जोड़ा जाएगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर विशेष ऐप डाउनलोड अभियान चलाया जाए। शिविरों एवं बैठकों में मौके पर ही ऐप डाउनलोड कराया जाए तथा QR कोड एवं डाउनलोड लिंक का अधिकतम उपयोग किया जाए। कलेक्टर ने सभी विभागों एवं नागरिकों से अपील की है कि "टीबी मुक्त भारत" ऐप को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाकर इस अभियान को जनभागीदारी से जोड़ें।

केसीएस विद्यालय एवं निर्माणाधीन ई-लाइब्रेरी का किया निरीक्षण

निगमायुक्त ने कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने दिये निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

विद्यार्थियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी द्वारा विद्यालयों में कराए जा रहे उन्नयन कार्यों का निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने के सी एस विद्यालय एवं निर्माणाधीन ई-लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण एवं मरम्मत कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को शीघ्र बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

निरीक्षण के दौरान सहायक यंत्री अनिल जायसवाल, नोडल अधिकारी आदेश जैन, उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी, शाला प्राचार्य रूप भास्कर, शिक्षक रिजवान हसन खान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गुणवत्ता का रखें विशेष ध्यान

निगमायुक्त ने विद्यालय परिसर में कक्षाओं में कराए जा रहे पुट्टी, रंगाई-पुताई, विद्युत फिटिंग, फ्लोर टाइल्स, आवश्यक मरम्मत कार्य, खेल मैदान, मंच तथा शिक्षकों एवं छात्राओं के लिए निर्मित किए जा रहे शौचालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा प्रत्येक चरण में तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

निगमायुक्त ने के सी एस कन्या शाला में अध्ययनरत छात्राओं की सुविधा के मद्देनजर शाला एवं ई लाइब्रेरी जाने वाले रास्ते के में अलग-अलग गेट लगवाने हेतु भी अधिकारियों को निर्देशित किया।

निर्माणाधीन ई-लाइब्रेरी का निरीक्षण करते हुए निगमायुक्त ने समुचित फर्नीचर व्यवस्था सहित शेष बचे अन्य छोटे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कर ई-लाइब्रेरी प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-लाइब्रेरी प्रारंभ होने से विद्यार्थियों को डिजिटल अध्ययन सामग्री, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एवं अन्य ज्ञानवर्धक संसाधनों तक सहज पहुंच प्राप्त होगी, जिससे उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता एवं तकनीकी दक्षता में वृद्धि होगी।

निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त, सुरक्षित एवं प्रेरणादायी शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य से विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है तथा सभी निर्माण एवं उन्नयन कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

विद्यालयों के उन्नयन कार्यों को दी जा रही प्राथमिकता

उल्लेखनीय है कि नगर पालिक निगम कटनी द्वारा के सी एस विद्यालय, विद्यालय परिसर स्थित ई-लाइब्रेरी सहित निगम के अन्य विद्यालयों में भी आधारभूत सुविधाओं के विकास एवं उन्नयन कार्य प्राथमिकता के साथ कराए जा रहे हैं, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक संसाधन एवं अनुकूल अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

गौवंश से होने वाले हादसे रोकने हाईवे पर बनेगी अस्थाई गौशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

आवारा गौवंशों के कारण हो रही दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर नेशनल हाईवे कटनी-जबलपुर मार्ग पर अस्थाई गौशाला बनाई जायेगी। एसडीएम बहोरीबंद प्रदीप मिश्रा नें बताया कि नेशनल हाईवे कटनी-जबलपुर मार्ग पर बहोरीबंद अनुभाग अंतर्गत ग्राम नेगवां, ग्राम पंचायत लखनवारा से ग्राम छपरा, ग्राम पंचायत छपरा तक शाम 5 बजे के बाद आवारा मवेशी और गौवंशों का हाईवे पर चलना और जाम लगाना आम बात हो गयी है। इससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं जिसमें लोग विकलांग हो रहे हैं और कई बार मृत्यु भी हो जाती है।

इस अस्थाई गौशाला का संचालन म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखंड-बहोरीबंद द्वारा पंजीकृत स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा किया जाएगा। जिसकी देखरेख समूह द्वारा गौवंश एवं मवेशियों के खाने-पीने की समुचित व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा किसी भी गौवंश को अस्थाई गौशाला में 24 घंटे से ज्यादा नहीं रखा जाएगा। इसके बाद उन्हें शासकीय गौशाला ग्राम पड़वार, ग्राम पंचायत पड़वार में सुरक्षित पहुंचाया जाएगा। एसडीएम श्री मिश्रा नें बताया कि शासन का संकल्प है की हाईवे पर दुर्घटना शत-प्रतिशत रोकी जाए। यदि किसी कारणवश गौवंश या मवेशी की दुर्घटना हो जाती है तो आजीविका मिशन की A-HELP पशु सखी से तत्काल उपचार की व्यवस्था कराई जाएगी। यदि आम नागरिक दुर्घटनाग्रस्त होता है, तो संबंधित समूह एवं ग्राम पंचायत 108 एम्बुलेंस से उसे नजदीकी अस्पताल भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

खबर संक्षेप

वर्षाकाल में संभावित बाढ़ आपदा की स्थिति से निपटने के लिए समय पूर्व करें आवश्यक तैयारियां- कलेक्टर

पन्ना। कलेक्टर ऊषा परमार ने कहा है कि वर्षाकाल के पूर्व जिले में संभावित बाढ़ आपदा की स्थिति से बचाव के लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर लें। संभावित बाढ़ की स्थिति वाले क्षेत्र और ग्रामों में जनहानि और वर्षाजनित बीमारियों से बचाव के भी माकूल प्रबंध सुनिश्चित हों। अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को भी किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पाबंद किया जाए। साथ ही समय पूर्व वैकल्पिक व्यवस्थाओं को भी अंतिम रूप दें। जिला कलेक्टर ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारी बैठक में उक्ताशय के निर्देश दिए। इस संबंध में संबंधित विभागीय अधिकारियों से आपदा प्रबंधन के संबंध में अब तक की गई तैयारियों की जानकारी लेकर कार्ययोजना मुताबिक कार्य संपादित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती परमार ने कहा कि बाढ़ आपदा की स्थिति में प्राथमिकता के साथ बचाव और राहत कार्य जरूरी है। इसके लिए सूचना तंत्र को सुदृढ़ करें और किसी भी आपात स्थिति की सटीक सूचना पर समन्वय के साथ बचाव कार्य को अंजाम दें। डूब वाले क्षेत्रों में त्वरित रूप से कार्य कर प्रभावित लोगों को अस्थाई शिविर में विस्थापित करना आवश्यक है। संभावित खतरे और समस्या पर चर्चा कर इसके लिए जरूरी उपायों पर विचार विमर्श किया गया। लोक निर्माण विभाग सहित प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क के तहत आवश्यकतानुसार रोड मरम्मत के निर्देश भी दिए गए। सिल्वर फॉल और बृहस्पति कुंड जैसे स्थानों पर विशेष निगरानी की जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी एवं अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे सहित समस्त एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद पंचायत सीईओ भी उपस्थित रहे।

दस नग बकरियां वाहन में भर ले गए चोर; इलाके में दहशत

रात के अंधेरे में बकरी चोरी की वारदात

हरिभूमि न्यूज ⏭ बनवार

नोहटा थाना क्षेत्र की बनवार चौकी अंतर्गत बनवार-घटेरा रोड किनारे स्थित एक आदिवासी परिवार के घर में बकरी चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर रात के अंधेरे में टीन शेड का गेट खोलकर दस नग बकरियों को वाहन में लादकर फरार हो गए, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। घटना घुटकुआं निवासी मुड़ी आदिवासी (45) के साथ हुई। पीड़ित ने बनवार चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात चार पहिया वाहन से आए अज्ञात चोरों ने घर के पास बने टीन शेड में घुसकर बकरियों को चुरा लिया। मौके पर वाहन के चक्कों के निशान भी मिले हैं, जिससे चोरी की वारदात में वाहन के इस्तेमाल की पुष्टि होती है। पीड़ित के अनुसार चोर बकरियों को बांधने के स्थान का गेट खोलकर बड़ी आसानी से वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। चोरी गई बकरियों में बच्चे भी शामिल हैं, जिससे पशुपालक को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। मामले में बनवार चौकी प्रभारी नागेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और अज्ञात चोरों की तलाश के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

गौरतलब है कि इससे पहले 24 जून की रात बनवार गांव में ही सेल्समेन राजेश सिंह लोधी के घर में भी शातिराना तरीके से बड़ी चोरी की वारदात हुई थी, जिसका अब तक खुलासा नहीं हो सका है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

जिले में 278 मि.मी. वर्षा दर्ज

दमोह। जिले में इस वर्ष 1 जून से अभी तक 278 मि.मी. अर्थात 10.9 इंच औसत वर्षा दर्ज हुई है, जो अभी तक गत वर्ष से 145.1 मि.मी. अर्थात 6.1 इंच कम है। इसी अवधि में गत वर्ष 423.1 मि.मी. अर्थात 17 इंच औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस वर्ष अभी तक जिले में सबसे ज्यादा वर्षा पटेरा में 447.4 मि.मी. दर्ज की गई है। भू-अभिलेख अधीक्षक ने बताया अभी तक जिले के दमोह वर्षामापी केन्द्र पर 266 मि.मी., हटा 323.2 मि.मी., जबेरा में 230 मि.मी. पथरिया 351 मि.मी., तेन्दूखेड़ा 204.8 मि.मी, बटियागढ़ 124 मि.मी. तथा पटेरा में 447.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। दैनिक वर्षा के तहत जिले में 31.1 मि.मी. अर्थात 1.2 इंच वर्षा दर्ज की गई है।

ग्राम मगदूपुरा में काले बंदरों के आतंक से ग्रामीण परेशान

वन विभाग को सौंपा ज्ञापन

झलौन। झलौन वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम मगदूपुरा में काले बंदरों के बढ़ते आतंक से ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में सैकड़ों की संख्या में बंदर घूम रहे हैं, जिससे लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों ने वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री सतीश मासी को लिखित ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार बंदर लगातार घरों की खपरैल और छतों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसके अलावा वे खेतों में खड़ी फसलों को नष्ट कर रहे हैं तथा सड़कों से गुजरने वाले वाहन चालकों पर भी हमला कर रहे हैं। सबसे अधिक चिंता बच्चों की सुरक्षा को लेकर है, क्योंकि स्कूल आने-जाने के दौरान उन्हें बंदरों के हमले का डर बना रहता है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो कोई गंभीर दुर्घटना हो सकती है। ज्ञापन सौंपने वालों में सौरभ पटेल, सुरेश विश्वकर्मा, रामाधार पटेल, हाली भाई पटेल, सिद्धूलाल पटेल, राजेंद्र पटेल, महेश रजक, सुदामा रजक, अशोक साहू, द्वारका, लक्ष्मण, मुन्नालाल, पप्पू रजक, टीकाराम अहिरवार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे। वहीं ग्रामीण प्रतिनिधि सौरभ पटेल और रामाधार पटेल का कहना है कि केवल निगरानी से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। उनका कहना है कि जब तक बंदरों को पकड़ने के लिए पिंजरे नहीं लगाए जाएंगे, तब तक इस समस्या से राहत मिलना मुश्किल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से शीघ्र पिंजरे उपलब्ध कराकर बंदरों को सुरक्षित तरीके से पकड़ने और गांव को इस आतंक से मुक्त कराने की मांग की है। इनका कहना-- इस संबंध में वन परिक्षेत्र अधिकारी सतीश मासीह ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लिया गया है। उन्होंने कहा, मैं अपने सभी चौकीदारों को ग्राम मगदूपुरा भेज रहा हूं, ताकि ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा सके।

गड्ढा बना हादसों का कारण, बारिश में खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ झलौन

स्टेट हाईवे-21 से जुड़े दमोह रोड स्थित झलौन के मुख्य चौराहे पर सड़क का गहरा गड्ढा राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। लगातार बारिश से गड्ढे में पानी भर जाने के कारण इसकी गहराई का अनुमान नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

झपान घाट पुल के अस्थायी रूप से बंद होने के कारण सागर, दमोह, तेजगढ़, हरदुआ तिगड्डा, इमलिया, खर्रा घाट, महाराजपुर, तारादेही और जबलपुर की ओर जाने वाला अधिकांश यातायात इसी मार्ग से गुजर रहा है। भारी वाहनों की बढ़ी आवाजाही से चौराहा और अधिक संवेदनशील हो गया है।स्थानीय लोगों का कहना है कि चौराहे के आसपास हुए अतिक्रमण के कारण दमोह और जबलपुर की ओर से आने वाले वाहनों का दृश्य स्पष्ट नहीं दिखता। ऐसे में सड़क के बीच बना गड्ढा हादसों की बड़ी वजह बन रहा है। कई बार वाहन चालक गड्ढे से बचने के प्रयास में संतुलन खो देते हैं और दुर्घटनाएं होते-होते बची हैं।

बारिश के दौरान गड्ढे में भरा पानी तेज रफ्तार वाहनों के गुजरने पर राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों पर उछलकर गिरता है, जिससे कई बार विवाद की स्थिति भी बन जाती है।स्थानीय नागरिकों ने लोक निर्माण विभाग और प्रशासन से मांग की है कि चौराहे के गड्ढे की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा अतिक्रमण हटाकर यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाया जाए, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

प्राचार्यों को दिए सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश

बच्चों की सुरक्षा हेतु दमोह पुलिस का विशेष अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के पालन में 08 जुलाई 2026 से 17 जुलाई 2026 तक जिले में स्कूल बस स्पेशल चेकिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को सुरक्षित एवं मानक अनुरूप परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना तथा स्कूल वाहनों में सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक दमोह श्री आनंद कलादगि द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम, दमोह में जिले के समस्त विद्यालयों के संचालकों, प्राचार्यों, शिक्षकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए स्कूल बसों एवं अन्य छात्र परिवहन वाहनों के सुरक्षित संचालन के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में निर्देशित किया गया कि प्रत्येक स्कूल वाहन का फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, इमरजेंसी एग्जिट, स्पीड गवर्नर, जीपीएस, सीसीटीवी, निर्धारित सीट क्षमता तथा चालक का वैध ड्राइविंग लाइसेंस एवं पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से अद्यतन रखा जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि विद्यार्थियों को क्षमता से अधिक संख्या में वाहन में न बैठाया जाए। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी विद्यालय प्रबंधन से अपील की गई कि विद्यार्थियों की सुरक्षा से जुड़ी किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रत्येक विद्यालय अपने परिवहन तंत्र की नियमित समीक्षा कर सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करे। अभियान की अवधि में जिले के सभी विद्यालयों के छात्र परिवहन वाहनों का सतत निरीक्षण किया जाएगा तथा विद्यालय प्रबंधन एवं वाहन संचालकों के साथ समन्वय स्थापित कर सुरक्षित विद्यालय परिवहन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

मूंग की मात्र 25 प्रतिशत खरीदी के विरोध में भारतीय किसान संघ ने सौंपा ज्ञापन

दमोह। प्रदेश सरकार द्वारा ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन में किसानों के कुल उत्पादन का केवल 25 प्रतिशत ही समर्थन मूल्य पर खरीदे जाने के निर्णय के विरोध में भारतीय किसान संघ ने दमोह जिले की सभी तहसीलों में किसानों के साथ व्यापक स्तर पर प्रदर्शन कर संबंधित तहसीलदारों के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से भारतीय किसान संघ ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों की मेहनत से उत्पादित मूंग का केवल 25 प्रतिशत ही समर्थन मूल्य पर खरीदा जाना किसानों के साथ अन्याय है। शेष 75 प्रतिशत उपज किसानों को खुले बाजार में औने-पौने दामों पर बेचने के लिए विवश होना पड़ रहा है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। संघ ने बताया कि वर्तमान में मूंग का बाजार भाव समर्थन मूल्य से काफी कम होने के कारण किसानों की लागत भी नहीं निकल पा रही है। किसान पहले ही मौसम की अनिश्चितता, बढ़ती उत्पादन लागत, महंगे बीज, उर्वरक, कीटनाशक एवं सिंचाई खर्च जैसी अनेक समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में सरकार की सीमित खरीदी नीति किसानों की आर्थिक स्थिति को और अधिक कमजोर कर रही है। भारतीय किसान संघ ने सरकार से मांग की कि दमोह जिले सहित पूरे प्रदेश में किसानों की मूंग की 100 प्रतिशत उपज समर्थन मूल्य पर खरीदी जाए, ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके तथा उन्हें आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े। संघ ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार शीघ्र ही किसानों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो भारतीय किसान संघ किसानों के साथ मिलकर चरणबद्ध एवं व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी। इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में किसानों के हितों की रक्षा एवं 100 प्रतिशत मूंग खरीदी की मांग को लेकर सरकार से तत्काल निर्णय लेने की अपील की एवं ज्ञापन में पदाधिकारीयों और किसानों की उपस्थिति रही । ज्ञापन देने बालो में राममिलन पटेल प्रांत प्रचार प्रमुख, गजेंद्र संभाग प्रचार प्रमुख, भूपेंद्र जिला प्रचार प्रमुख, प्रहलाद तहसील अध्यक्ष पथरिया, मुकेश पटेल तहसील मंत्री, तीरथ पटेल जिला बीज आयाम प्रमुख, राकेश , गोवर्धन, तुलसीराम, उमाशंकर, नंदराम आदि शामिल रहें।

भालू के हमले घायल व्यक्ति का शासन उठायेगा खर्च

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

बालाकोट क्षेत्र में जंगल से गुजर रहे माधव सिंह गौड़ पर तीन भालुओं ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने वनमण्डलाधिकारी से संपर्क कर तत्काल उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित कराई। वनमण्डलाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि घायल को प्राथमिक उपचार के बाद सागर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जहां शासन के खर्च पर उनका उपचार कराया जा रहा है। उनकी स्थिति गंभीर बताई गई है और चिकित्सकों की निगरानी में इलाज जारी है। कलेक्टर श्री यादव ने जंगल से लगे क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों से अपील की है कि वे रात्रि के समय जंगल में जाने से बचें। यदि दिन में जंगल या उसके आसपास जाना आवश्यक हो तो पूरी सावधानी बरतें, क्योंकि वर्षा ऋतु में घने पत्तों के कारण दृश्यता कम हो जाती है। साथ ही इस समय कई वन्यजीवों का प्रजनन काल होने से वे अपने शावकों की सुरक्षा के लिए अधिक आक्रामक हो सकते हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हमला करने वाली मादा भालू अपने दो शावकों के साथ थी। उन्होने कहा वन्यजीव हमले की ऐसी घटनाओं में शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों के तहत गंभीर मामलों में मुआवजा उपलब्ध कराया जाता है। उन्होने कहा घायल के उपचार का पूरा खर्च शासन द्वारा वहन किया जाएगा तथा अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि के दौरान प्रतिदिन □500 की आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाएगी, ताकि परिवार की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव कम हो सके। कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की है कि जंगलों एवं वन क्षेत्रों में अनावश्यक आवाजाही से बचें तथा किसी भी वन्यजीव के दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना दें और सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें।

चार सटोरियों से नकदी व सामग्री जब्त

तेंदूखेड़ा। नगर में अवैध सट्टा गतिविधियों के विरुद्ध पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए चार अलग-अलग स्थानों पर छापेमार कार्रवाई की। थाना प्रभारी नगर निरीक्षक सरोज सिंह ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दोपहर लगभग 2 बजे नगर में दबिश देकर तीन सटोरियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए। एवं 5980 रुपए की जप्ती की कार्रवाई से नगर में सक्रिय सटोरियों में हड़कंप मच गया, जबकि कई लोगो को इसकी जानकारी लगने से मौके से भाग निकले। पुलिस द्वारा की गई पहली कार्रवाई में एक सटोरीयो के कब्जे से 2,750 रुपये नकद एवं सट्टा लेखन में प्रयुक्त पर्चियां बरामद की गईं। इस मामले में अपराध क्रमांक 274/26 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। दूसरी कार्रवाई में एक अन्य व्यक्ति से 560 रुपये नकद तथा सट्टा पर्चियां जब्त की गईं। इस संबंध में अपराध क्रमांक 275/26 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। तीसरी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक आरोपी के पास से 1,720 रुपये नकद एवं सट्टा सामग्री बरामद की। एवं चौथी कार्रवाई में 950 की जप्ती कर अपराध पंजीकृत किया गया साथ ही अवैध शराब के 2 केस भी पुलिस द्वारा बनाए गए हैं चारो आरोपियों के विरुद्ध सार्वजनिक जुआ अधिनियम के प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है। अबैध शराब पर भी पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है पुलिस ने जब्त नकदी और सट्टा सामग्री को अपने कब्जे में लेकर आगे की जांच प्रारंभ कर दी है। थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर ने बताया कि नगर में अवैध सट्टा, जुआ एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी और कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाली किसी भी अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि यदि उनके क्षेत्र में किसी प्रकार की अवैध सट्टा, जुआ या अन्य आपराधिक गतिविधि संचालित हो रही हो तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। तेंदूखेड़ा पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई को अवैध सट्टा, अवैध शराब कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नवभारत साक्षरता प्रशिक्षण का आयोजन

पथरिया। विकास खण्ड स्तरीय नवभारत साक्षरता प्रशिक्षण 08 जुलाई 2026 में जनपद सभा कक्ष पथरिया में किया गया। जिसमें प्रभारी बीईओं धर्मेन्द्र चौबे, बीआरसी हरीश अहिरवार,विकास खण्ड सह समन्वयक द्वारका करकरे, जनशिक्षक बृजेश तिवारी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा अधिनियम 2020 के अध्याय 21 अनुसार 15 बर्ष से अधिक उम्र वाले असाक्षरों के लिए साक्षर करने हेतु,विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में सहभागी, समस्त संकुल प्राचार्य, जनशिक्षा केन्द्र प्रभारी, जनशिक्षक, संकुल सह समन्वयक, सर्व शासकीय/अशासकीय हाई स्कूल/ हायर सेकेण्डरी स्कूलों से एक- एक नोडल अधिकारी उपस्थित रहे, कक्षा 9-12 के विद्यार्थियों के लिए अक्षर साथी बनाने हेतु प्रेरित किया गया, समस्त स्वयंसेवी संस्थाओं से भी अक्षर साथी बनाने हेतु विकासखंड शिक्षा द्वारा कहा गया। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल एवं जिला शिक्षा केन्द्र दमोह के आदेशानुसार 100% सर्वे 15 जुलाई 2026 तक आफलाइन आनलाइन एनआईएलपी एमपी फीडिंग,नोडल अधिकारियों अक्षर साथियों के माध्यम किया जाना अनिवार्य है।

प्रभारी अधिकारियों के भरोसे चल रहे कार्यालय

पथरिया। क्षेत्रीय विधायक प्रदेश सरकार में मंत्री बनें हुए हैं और उनके क्षेत्र के कार्यालयों में प्रभारी अधिकारियों की भरमार है जहां देखो वहां प्रभारी अधिकारी की पदस्थापना है तबादला सूची जारी होने के समय लग रहा था कि शायद जिन विभागों में अधिकारी नही है इस बार शायद आ जाए लेकिन इसके साथ यह भी चर्चाएं थीं कि कई विभागों में प्रभारी बनने के चक्कर लग रहें थें कि हमें भी मौका मिलें वर्तमान में तहसील,जनपद,नगर परिषद, विकासखंड शिक्षा,संदीपनी विघालय, क्षेत्र के अधिकतर स्कूलों में प्राचार्य नही, महाविद्यालय में प्राचार्य नही,स्वास्थ्य,कृषि, पशुपालन हर जगह प्रभारी अधिकारी पदस्थ हैं ऐसे में सोचने वाली बात है कि जब क्षेत्रीय विधायक सरकार में मंत्री हैं और फिर भी व्यवस्था में सुधार नही हो पा रहा तो कब संभव हो सकता है।

सुशासन की मंशा के अनुरूप राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करें

नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख सुधार एवं भू-अर्जन, प्रकरणों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

सुशासन की भावना के अनुरूप आमजन को त्वरित एवं पारदर्शी राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख सुधार, भूमि चिन्हांकन, भू-अर्जन सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की अद्यतन प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण का निराकरण समय-सीमा, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ सुनिश्चित किया जाए। बैठक में आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों की खण्डवार समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री यादव ने एसडीएम को निर्देश दिए कि पटवारियों की रिपोर्ट अधिकतम 15 दिवस में प्राप्त कराई जाए तथा अधीनस्थ अमले की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। समय-सीमा का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

रोवर मशीन से करें सटीक सीमांकन

कलेक्टर श्री यादव ने कहा कि सीमांकन प्रकरणों का निराकरण पूर्ण निष्पक्षता एवं पारदर्शिता से किया जाए। तकनीकी सुविधाओं से लैस रोवर मशीन का अधिकतम उपयोग कर सटीक सीमांकन सुनिश्चित किया जाए, ताकि भूमि विवादों की संभावना न्यूनतम रहे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिसका आवेदन पहले, उसका निराकरण पहले के सिद्धांत का कड़ाई से पालन किया जाए।

फार्मर आईडी बनवाने में लाएं तेजी

बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जिले में खाद एवं यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने एसडीएम को निर्देश दिए कि जिन किसानों की फार्मर आईडी अभी तक नहीं बनी है, उनकी आईडी शीघ्र बनवाई जाए। उन्होंने कहा कि फार्मर आईडी केवल खाद वितरण के लिए ही नहीं, बल्कि भविष्य में भूमि एवं कृषि से जुड़ी विभिन्न शासकीय सेवाओं का महत्वपूर्ण आधार बनेगी।

भू-अर्जन एवं किसान सम्मान निधि की भी हुई समीक्षा

भू-अर्जन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने स्वामित्व का भली-भांति सत्यापन कर नियमानुसार पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा में तेन्दूखेड़ा तहसील का शत-प्रतिशत कार्य संतोषजनक पाया गया, जबकि दमोह नगर, हटा एवं जबेरा में प्रगति अपेक्षाकृत कम होने पर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र सुधार लाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री यादव ने कहा कि राजस्व प्रकरणों का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण ही सुशासन की पहचान है। प्रत्येक अधिकारी संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करें कि आमजन को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और प्रत्येक पात्र हितग्राही को समय पर न्याय एवं राजस्व सेवाओं का लाभ प्राप्त हो।

खबर संक्षेप

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज

दमोह। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन आज 10 जुलाई को अपरान्ह 3:30 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में किया जाएगा। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है।

17 जुलाई को वृहद वृक्षारोपण

दमोह। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत बटियागढ़ विकासखंड स्थित प्रसिद्ध जरारूधाम गौ अभ्यारण का भ्रमण कर आगामी 17 जुलाई को प्रस्तावित वृहद वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के जंगल, पेड़-पौधों एवं पूर्व में किए गए पौधारोपण कार्य का अवलोकन किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जरारूधाम में प्रतिवर्ष वृक्षारोपण किया जाता है। उन्होंने कहा पिछले वर्ष दादा गुरुजी महाराज के निराहार के 1750 दिन पूर्ण होने के अवसर पर 1750 फलदार पौधे लगाए गए थे। इस वर्ष उनके निराहार के 2100 दिन पूर्ण होने पर 17 जुलाई को 2100 पौधों का रोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दादा गुरुजी महाराज 16 जुलाई की रात्रि में जरारूधाम गौ अभ्यारण में प्रवास करेंगे तथा 17 जुलाई को उनके सान्निध्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित होगा।

बिजली बिलों की समस्याओं को लेकर एमडी के नाम जेई को सौंपा ज्ञापन

पथरिया। आजाद भारत पार्टी द्वारा विद्युत बिलों में बढ़ोत्तरी कर दिये जाने के विरोध में विधुत विभाग के एमडी जबलपुर के नाम जेई पथरिया को ज्ञापन सौंपा,जिसमें बताया कि करीब दो माह से गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को 2 से 4 हजार बिल दिये जाने के कारण आर्थिक रूप से बहुत परेशान हैं जिसकी जांच हो और निराकरण किया जाए। उक्त ज्ञापन देने वालों में रामरतन यादव,पं सरला चौबे प्रदेश अध्यक्ष, धीरज प्रसाद बौद्ध, श्यामलाल पटेल, लखनलाल पाली, सीताराम अहिरवार, श्यामलाल पटेल, धरम सिंह, छोटेलाल अहिरवार, कालूराम यादव,गोपाल कृष्ण यादव, रामप्रसाद कुर्मी, गोविन्द विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

मेंटेनेंस के नाम पर खानापूर्ति, डामर की जगह मिट्टी; बारिश में बिगड़े हालात

सड़क नहीं, दलदल: सिग्रामपुर मार्ग पर वाहन चालकों-राहगीरों की जान जोखिम में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिग्रामपुर

दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे पर सिग्रामपुर के दानीताल जंगली क्षेत्र में इन दिनों सड़क की हालत बेहद बदतर हो गई है। मेंटेनेंस के नाम पर की गई लापरवाही के चलते यह मार्ग सड़क कम, दलदल ज्यादा नजर आ रहा है। ऐसे में यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को हर पल हादसे का खतरा झेलना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, हाल ही में सड़क के गड्ढों को भरने और उसे समतल करने का कार्य शुरू किया गया था। क्षेत्रवासियों को उम्मीद थी कि जर्जर सड़क पर पक्का डामर बिछाकर स्थायी समाधान किया जाएगा, लेकिन जिम्मेदार विभाग और ठेकेदार ने लागत बचाने के फेर में केवल मिट्टी और मुरूम डालकर औपचारिकता पूरी कर दी। पहली ही बारिश ने इस कार्य की पोल खोल दी और पूरी सड़क कीचड़ में तब्दील होकर दलदल बन गई।

हालात यह हैं कि दोपहिया वाहन चालक लगातार फिसलकर गिर रहे हैं, वहीं भारी वाहनों के पहिए धंसने से दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। राहगीरों का कहना है कि सड़क पर पैदल चलना तक दूभर हो गया है। जंगली क्षेत्र होने के कारण रात के समय स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है, जिससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि "गड्ढों को खत्म करने के नाम पर डाली गई मिट्टी ने सफर को और ज्यादा जोखिम भरा बना दिया है। कई बार वाहन निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है।"

एनएचएआई के इंजीनियर बंसल त्यागी ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण फिलहाल डामरीकरण संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि 4 तारीख से गड्ढों में गिट्टी डालने का कार्य शुरू किया गया था और यह काम लगातार जारी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि बारिश के दौरान डामर बिछाने से गुणवत्ता प्रभावित होती है, इसलिए फिलहाल गड्ढों को गिट्टी से भरकर सड़क को अस्थायी रूप से चलने योग्य बनाया जा रहा है। जैसे ही मौसम साफ होगा, प्राथमिकता के आधार पर डामरीकरण का कार्य कराया जाएगा। कार्रवाई की मांग ग्रामीणों और राहगीरों ने जिला प्रशासन एवं एनएचएआई से मांग की है कि इस लापरवाही की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए और सड़क पर शीघ्र डामरीकरण कर आवागमन सुरक्षित बनाया जाए, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

रेस्ट हाऊस से चिरोल तिगड्डा तक गड्ढों भरी सड़क पर कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

जिम्मेदार बेखबर- सड़क किनारे निवासरत लोगो को हो रही परेशानियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हटा

नगर के रेस्ट हाउस से निकलने वाली मुख्य सड़क की पोल खुलती नजर आ रही है जहां रेस्ट हाउस से लेकर चिरौल तिगड्डा तक जगह-जगह सड़क पर गहरे गड्ढे नजर आ रहे हैं जिससे यह जानलेवा गड्ढें लोगो एवं वाहन चालको को परेशानियों का सबब बन गये है। वहीं सड़क का कुछ हिस्सा अब पुराने हालातो में नजर आने लगा है जिसमें सबसे खतरनाक रेस्ट हाउस के आगे जानें वाले सड़क मार्ग पर गड्ढों में बरसात के पानी का भराव होने से बना हुआ है इन जानलेवा गड्ढों का भराव न कराया जाना जिम्मेदार विभाग के आला अधिकारियो एवं जिम्मेदारों द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है।

सड़क पर गड्ढों से हो रहे हादसे

इस समय हो रही बारिश के चलते इस सड़क पर सफर करना खतरों से खाली नहीं है जबकि इसी सड़क मार्ग के पहले जर्जर रपटा पुल की सड़क पार करने के बाद पीडब्ल्यूडी विभाग का रेस्ट हाउस स्थित है जहां से रोजाना दिन भर बसो दो पहिया वाहन चालको सहित अन्य चार पहिया वाहनों का आना जाना लगा रहता है एवं स्थानीय लोगो की दौड़धूप के अलावा कालेज व तहसील कार्यालय को जाने वालो की भी इस मार्ग पर आवाजाही अधिक बनीं रहती है। रात्रिकालीन समय में वाहन चालको को यह गड्ढें जानलेवा भी साबित हो सकते है। देखा जाए तो इस मार्ग पर प्रशासनिक अधिकारियों का आना जाना लगा रहता है लेकिन अभी तक विभाग के जिम्मेदार की नजर इस सड़क मार्ग के गड्ढों पर नही पड़ी है जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रशासन की अनदेखी की वज़ह से स्थानीय लोगो को बारिश के मौसम में इस खस्ताहाल सड़क पर अपनी जान जोखिम में डालकर निकलना मुश्किल पड़ रहा है।

ऐसे में अब देखना यह होगा कि सड़क पर गड्ढों की परेशानी का सबब बन चुकी उक्त सड़क को दुरुस्त कराने कब तक जिम्मेदारों द्वारा प्रयास किया जाएगा जिससे लोगो को इस सड़क से निकलने में कुछ राहत मिल सके। जबकि इस संबध में नगरपालिका उपयंत्री जाकिर रंगरेज को लोगो ने इस समस्या से पूर्व में अवगत कराया गया था लेकिन उसके बाद भी किसी प्रकार से गड्ढों का भराव आज तक नहीं कराया गया।

10 दिन बाद भी शुरू नहीं हुई उड़द मूंग की खरीदी

कृषि उपज मंडी हटा में पसरा सन्नाटा

हटा। किसानों की ग्रीष्मकालीन मूंग, उड़द की खरीदी हेतु सरकार द्वारा सहकारी समितियां के माध्यम से समर्थन मूल्य में 1 जुलाई से 10 अगस्त तक खरीदी किया जाना निश्चित किया गया था जिसके लिए खरीदी केंद्र निर्धारित किए गए थे जहां हटा विकासखंड में सनकुईया सेवा सहकारी समिति के माध्यम से कृषि उपज मंडी में खरीदी केंद्र बनाया गया था लेकिन 10 दिन बीत जाने के बाद भी कृषि मंडी में समिति द्वारा खरीदी प्रारंभ नहीं की गई जिससे क्षेत्र के किसान अपनी फसल बेचने के लिए परेशान हो रहे हैं। गौरतलब है कि किसानों ने कड़ी मेहनत से ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल पैदा की है और अब उपज बेचने के लिए किसान महीना से समर्थन मूल्य खरीदी का इंतजार कर रहे हैं। किसानों ने बताया कि फसल उगाने के लिए खाद बीज खरीदने हेतु ब्याज से रुपए लेकर कर्ज उठाया था अब जैसे तैसे फसल आ गई किसी के पास रखने के लिए पर्याप्त भंडारण की व्यवस्था नहीं है पैसा भी उधारी का देना है और अब लगातार बारिश भी थमने का नाम नहीं ले रही है जबकि दमोह कलेक्टर कृषि विभाग द्वारा खरीदी केंद्र संचालित किए जाने लिखित में आदेश जारी किए गए हैं लेकिन हटा कृषि उपज मंडी में समिति द्वारा 10 दिन बीत जाने के बाद भी खरीदी प्रारंभ नहीं की गई है जिससे किसानों को आर्थिक परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है।

ई-अटेंडेंस एवं सार्थक ऐप की तकनीकी समस्याओं को लेकर प्रदर्शन

दमोह। मध्य प्रदेश अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के जिला प्रमुख श्री सत्यनारायण तिवारी के नेतृत्व में मान्यता प्राप्त एवं गैर मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों के अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों ने माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नाम कलेक्टर श्री प्रताप नारायण यादव को ज्ञापन सौंपकर स्वास्थ्य विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग में लागू ई-अटेंडेंस व्यवस्था से उत्पन्न हो रही समस्याओं के निराकरण की मांग की। ज्ञापन में प्रमुख रूप से मांग की गई कि ई-अटेंडेंस को वेतन कटौती से नहीं जोड़ा जाए, क्योंकि तकनीकी समस्याओं, नेटवर्क बाधित होने, मोबाइल खराब होने, सर्वर समस्या एवं अन्य व्यवहारिक कठिनाइयों के कारण कर्मचारी एवं शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। वास्तविक कार्य एवं उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए मानवीय दृष्टिकोण से निर्णय लिया जाए। संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने स्वास्थ्य विभाग में लागू सार्थक ऐप में आ रही परेशानियों से भी कलेक्टर महोदय को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सार्थक ऐप में तकनीकी दिक्कतों, नेटवर्क समस्या, लॉग-इन एवं लॉग-आउट में परेशानी तथा ऐप संचालन से संबंधित अन्य समस्याओं के कारण कर्मचारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों को अनावश्यक रूप से आर्थिक एवं मानसिक परेशानी से बचाने के लिए सार्थक ऐप एवं ई-अटेंडेंस प्रणाली को व्यवहारिक एवं सुगम बनाने की मांग की गई। कलेक्टर महोदय ने प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का वेतन जारी कर दिया गया है। जिन कर्मचारियों द्वारा उपस्थिति दर्ज नहीं की गई है, उनका वेतन प्रभावित हुआ है, जबकि जिन कर्मचारियों ने सार्थक ऐप में लॉग-इन किया है लेकिन तकनीकी कारणों से लॉग-आउट नहीं कर पाए हैं, उनका वेतन जारी किया जाएगा।

बाढ़ आपदा में मदद करने समाजसेवी ने निशुल्क भवन देने एसडीएम को दिया पत्र

हटा। नगर में बारिश के मौसम को देखते हुए नगर के रहवासी इलाको में प्राकृतिक आपदाएं व बाढ़ जैसी स्थिति बननें पर लोगो की मद्द करनें व उनके रहनें के लिए अपनी ओर से स्वंय के भवनों को निशुल्क देनें के लिए नगर के समाजसेवी न्यू बजरंग होटल के संचालक सुरेंद्र अग्रवाल ने गुरुवार को अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में एक आवेदन दिया गया जिसमें शासन अपनी ओर से उक्त भवनों में प्राकृतिक आपदा के कारण पीड़ित व्यक्तियों और परिवारों को रूकने खाने की निशुल्क व्यवस्था प्राप्त कर सकता है। दिए गये आवेदन में समाजसेवी द्वारा उनके स्वामित्व में अग्रवाल लॉज, अग्रसेन नगर नवोदय वार्ड हटा में स्थित है जिसमें 30 कमरे एवं एक हाल है इसी प्रकार एक भवन अग्रवाल भवन पटेरा रोड में मुख्य मार्ग पर स्थित है। प्राकृतिक आपदा आने की दिशा में अपने दोनो भवन (परिसर) शासन को निशुल्क देने एवं भवनों में रूकने वालो को खाने पीने की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी।

मुनि श्री पदम सागर जी का सागर की ओर मंगल पद विहार

दमोह। आचार्य श्री विद्यासागर जी एवं आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री पदम सागर जी एवं छुल्लक श्री तात्पर्य सागर जी का दमोह में ग्रीष्मकालीन वाचाना के बाद वर्षा योग हेतु सागर की तरफ मंगल पद बिहार हो गया आज रात्रि विश्राम बांसा तारखेडा जैन मंदिर में हो रहा है। दमोह के श्री पारसनाथ दिगंबर जैन नन्हें मंदिर जी में ग्रीष्मकालीन वाचना के साथ 24 समोशरण विधान सानंद संपन्न कराकर सकल समाज को एकता के सूत्र में बांधने वाले मुनि श्री पदम सागर जी महाराज का संघ सहित गुरुवार दोपहर सागर नाका स्थित जिन शरण जिनालय से पद विहार प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर ब्रह्मचारी मोनू भैया के साथ प्रतिष्ठा कर आशीष अभिषेक शास्त्री महेश दिगंबर सौरभ लहरी

राजकुमार रानू पंकज मुंशी मनीष बजाज जितेंद्र जीतू राजेंद्र अटल सचिन तारा मनीष पलंदी सहित बड़ी संख्या में श्रावक जैन महाराज जी के पद बिहार में शामिल हुए। वही साधु पद बिहार सुरक्षा की कमान स्वयं सम्हालते हुए सीएसपी एचआर पांडे ने बाईपास तक तथा सागर नाका चौकी प्रभारी विक्रम सिंह दांगी ने एकलव्य यूनिवर्सिटी तक मुनि संघ के साथ साथ में पद विहार किया। बाद में बांसा तक सागर नाका पुलिस की टीम सुरक्षा व्यवस्था में तत्पर रही। रास्ते मे जगह जगह पद प्रछालन तथा आरती करके भक्तों ने आशीर्वाद प्राप्त किया। एकलव्य विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार पर मुनि श्री का पाद प्रछालन करके यूनिवर्सिटी परिसर में प्रभु यीशु निवेदन किया गया। जिस पर मनी सांगणे यूनिवर्सिटी परिसर में मान स्तंभ के दर्शन करके एकलव्य विश्व विद्यालय क्री पुस्तकालय में विजिट किया। शोध शाखा में शोध प्रबंध (थीसिस)प्राकृत-संस्कत हिन्दी आदि विभागों में सबमिट शोध ग्रंथो के बारे में मार्गदर्शित किया। इस दौरान ऋषभ चंद फौजदार, डॉ. आशीष जैन संस्कृत विभाग ।विक, डॉ. अभिषेक जैन हिंदी विभाग ।विक, डॉ आशीष बम्होरी प्राकृत विभाग शैलेन्द्र जैन उपस्थित रहे। एकलव्य यूनिवर्सिटी से पद विहार उपरांत मुनि संघ ने वांसा के समीप मुनि सुब्रत नाथ तीर्थ जिनालय पहुच कर दर्शन किये। यहां पर बांसा की जैन समाज ने अगवानी की तथा गाजे बाजे के साथ मुनि संघ को बांसा ग्राम में प्रवेश कराया। जहा जिनालय के दर्शन उपरांत सामायिक आदि संपन्न हुई। रात्रि विश्राम उपरांत शुक्रवार को प्रातः बेला में मुनि संघ के सानिध्य में अभिषेक शांति धारा संपन्न होगी वही आहारचार्य उपरांत दोपहर में गढ़ाकोटा की तरफ विहार होगा।

तीन स्कूल बसों पर 48,500 का चालान

दमोह। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर जिले में 8 से 17 जुलाई 2026 तक चलाए जा रहे 10 दिवसीय स्कूल बस स्पेशल चेकिंग अभियान के तहत दमोह पुलिस एवं यातायात पुलिस ने विभिन्न विद्यालयों की स्कूल बसों की सघन जांच की।अभियान के दौरान बसों के फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, इमरजेंसी एग्जिट, स्पीड गवर्नर, जीपीएस, सीसीटीवी, सीट क्षमता, चालक के वैध ड्राइविंग लाइसेंस एवं पुलिस सत्यापन सहित अन्य सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया।जांच के दौरान तीन स्कूल बसों में मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर उनके विरुद्ध कुल 48,500 रुपये का चालान किया गया। साथ ही वाहन संचालकों को भविष्य में सभी सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करने के निर्देश दिए गए।पुलिस ने बताया कि अभियान की अवधि तक जिले के सभी स्कूल वाहनों की नियमित जांच जारी रहेगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार ट्रक ने दो कारों को पीछे से मारी टक्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तेंदूखेड़ा

गुरुवार को थाना क्षेत्र के अंतर्गत पाटन तेंदूखेड़ा मार्ग पर स्थित नरगुवा ग्राम के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने दो कारों को पीछे से टक्कर मार दी साथ ही दो मवेशियों को भी चपेट में आ गए। इस हादसे में दोनों कारों के परखच्चे उड़ गए हैं तो दो मवेशी भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं हादसे के बाद लोगों ने ट्रक चालक और ट्रक को पकड़ लिया है और घटना की सूचना पुलिस को दी गई जहां मौके पर पहुंची ने घटना की जानकारी ली। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार ट्रक क्रमांक आर जे 11 जी बी 3111 है जो रायपुर से जयपुर जा रहा है लेकिन जैसे ही ट्रक नरगुवा की घाट पहुंचा तो आगे चल रही दो अल्टो कारों में पीछे से टक्कर मार दी साथ ही दो मवेशियों को भी टक्कर मारते हुए भाग रहा था लेकिन घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर ट्रक रुक गया जहां ट्रक चालक भागने का प्रयास कर रहा था लेकिन लोगों ने पकड़ लिया इस हादसे में दोनों कार के परखच्चे उड़ गए हैं साथ ही दोनों कार में सवार सभी सुरक्षित है कार क्रमांक एमपी 20 एफ ए 4686 है जिसमें जबलपुर शहपुरा के फुलर निवासी लोग बांदकपुर भोलेनाथ के दर्शन करने जा रहे थे दूसरी कार क्रमांक एमपी 04 CW 6935 है जो जबलपुर से तेंदूखेड़ा आ रही थी इन दोनों कार में सवार लोगों को मामूली चोटे आई है और सभी सुरक्षित है लेकिन दो मवेशी बुरी तरह से घायल हो गए हैं वहीं हादसे का मुख्य कारण ट्रक चालक ने बताया कि ट्रक के ब्रेक फेल होना सामने आया है जिसके कारण ट्रक घाट की उतार पर कंट्रोल नहीं हुआ और अचानक ट्रक की चपेट में दो कारों सहित दो मवेशी आ गए घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पहुंची और ट्रक चालक को पूछताछ करने के लिए अपने साथ थाने ले गई साथ ही कार में सवार कुछ लोगों को भी पुलिस द्वारा पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है वहीं राहगीरों ने कहना है आज भगवान ने ही सभी लोगों की जान बचा ली क्योंकि जिस तरह से दोनों कारे क्षतिग्रस्त चकनाचूर हुई है उसे देखकर कोई भी यही अंदाजा लगा रहा है कार सवार गंभीर रूप से घायल हुए होंगे।

गैसाबाद क्षेत्र में नहीं थम रहा, अवैध सट्टा का व्यापार, पर्दे के पीछे चल रहा कारोबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गेसाबाद

पिछले कई वर्षों से निरंतर चल रहे गैसावाद क्षेत्र में सट्टा के गैर कानूनी कारोबार सट्टा की जड़े अब इतनी मजबूत हो चुकी है कि गांव की गली- गली में सटोरिया बेखोफ होकर खुलेआम बुकिंग करते हुए देखे जा सकते हैं, हालांकि पुलिस अधीक्षक के कडे निर्देशों के बाद हरकत में आई स्थानीय पुलिस की सक्रियता के चलते इतना सुधार जरूर हुआ है कि पहले जो ग्राम के बस स्टैंड पर चाय पान के टपरो में खुलेआम सट्टा की बुकिंग होती थी। उस पर कुछ दिनों के लिए ही सही लेकिन विराम लग गया है। हालांकि पर्दे के पीछे जैन मंदिर की गली में एवं हनुमानगढ़ी टिकट्डा के आसपास अभी भी कुछ सटोरिया पुलिस की आंखों में धूल झोंक कर सट्टा की बुकिंग करते हुए देखे जा सकते हैं। इसी तरह ग्राम मोहरई के बस स्टैंड पर भी सट्टा की बुकिंग करते हुए लोग देखे जा सकते हैं। ग्रामीण जनों ने हरिभूमि को बताया कि इस सट्टा के अवैध व्यापार के चलते हमारे गांव में लड़ाई झगड़ा और अशांति का माहौल रहता है सट्टा में हार जीत के चलते ग्राम में चोरी होने का भी ग्राफ बढ़ रहा है। ग्रामीणों के बताएं मुताबिक कुछ माह पूर्व सट्टा के पैसों का लेनदेन को लेकर ग्राम के कुछ युवकों का एक सटोरिया से विवाद भी हो गया था जिसकी शिकायत पुलिस थाने तक भी पहुंची थी और बाद में सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई गई थी। हालांकि बाद में दोनों पक्षों के बीच मामले में राजीनामा हो गया था और शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत वापस ले ली थी। ग्रामीण जनो ने हरिभूमि के माध्यम से क्षेत्र में चल रहे सट्टा के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाए जाने की मांग की है, इस मामले पर जब पुलिस प्रशासन से बात की जाती है तो उनका यही जवाब होता है कि समय-समय पर सटोरियों के खिलाफ कार्यवाही करके अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान चलाया जाता है।

चौखट पर बैठे सर्प ने काटा, मौत

सिंग्रामपुर । सिंग्रामपुर चौकी अंतर्गत ग्राम सिंग्रामपुर में बुधवार रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहाँ घर की चौखट पर बैठे जहरीले सर्प के डसने से 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम सिंग्रामपुर निवासी परमू रैकवार (55 वर्ष), पिता संत रैकवार, बुधवार रात्रि अपने घर पर थे। रात के समय जब वे निस्तार के लिए कमरे से बाहर निकल रहे थे, तभी दरवाजे की चौखट के पास पहले से बैठा एक जहरीला सर्प उनके संपर्क में आ गया। जैसे ही उनका पैर चौखट के पास पड़ा, सर्प ने उन्हें डस लिया। सर्पदंश के तुरंत बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी। मृतक के पुत्र बृजेश रैकवार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही वे अपने पिता को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जबेरा लेकर पहुंचे, लेकिन वहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना परिजनों द्वारा सिंग्रामपुर चौकी पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम किया और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

आपदा के समय नहीं, उससे पहले की गई तैयारी ही सबसे प्रभावी सुरक्षा - कलेक्टर

विद्यालयों, जर्जर भवनों, सड़कों, बिजली-पेयजल व्यवस्था और संवेदनशील स्थलों की निगरानी के निर्देश, जन-धन हानि रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता

दमोह। जिले में वर्षाकाल के दौरान किसी भी प्रकार की जन-धन हानि अथवा आपदा की स्थिति से बचाव के लिए कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा आपदा आने के बाद नहीं, बल्कि उससे पहले की गई तैयारी ही सबसे प्रभावी सुरक्षा होती है। सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करते हुए संभावित जोखिमों को समय रहते समाप्त करें। जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए गए कि सभी विद्यालयों एवं छात्रावासों का सुरक्षा -परीक्षण कराया जाए। जर्जर अथवा कंडम भवनों में किसी भी स्थिति में संचालन न हो। मरम्मत योग्य भवनों की शीघ्र मरम्मत तथा अत्यधिक क्षतिग्रस्त भवनों को प्रतिबंधित करने की कार्रवाई समय पर पूरी की जाए। नगरपालिका एवं संबंधित विभागों को जर्जर भवनों का सर्वे कर आवश्यक मरम्मत, बैरिकेडिंग एवं चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए। विद्युत विभाग को लटकते तार, क्षतिग्रस्त पोल एवं अन्य जोखिम वाले स्थलों को तत्काल सुरक्षित करने तथा पीएचई एवं जल संसाधन विभाग को पेयजल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने के निर्देश दिए गए। लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं संबंधित एजेंसियों को सड़कों, पुल-पुलियों तथा जोखिम वाले स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम एवं तहसीलदारों को सभी विभागों के साथ समन्वय बनाकर नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा गया। कलेक्टर श्री यादव ने कहा सभी विभाग आपसी समन्वय एवं पूरी सतर्कता के साथ कार्य करें, ताकि बारिश के दौरान जिले में किसी भी प्रकार की जन-धन हानि न हो। बैठक में अपर कलेक्टर, एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं कार्यपालन यंत्री उपस्थित रहे।